संख्या-64/2022/भा0स0-248/58-1-2022-2/1(37)18

प्रेषक,

अनामिका सिंह,
सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. **समस्त मण्डलायुक्त,**
   उत्तर प्रदेश।
2. **समस्त जिलाधिकारी,**
   उत्तर प्रदेश।

बाल विकास एवं पुष्टाहार अनुभाग **लखनऊ :: दिनांकः 30 अगस्त, 2022**

विषयः 01 सितम्बर से 30 सितम्बर, 2022 तक 'राष्ट्रीय पोषण माह' के सफल आयोजन के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

उपर्युक्त विषयक सचिव, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के संलग्न पत्र संख्या-पी0ए0/175/2021/यू0एस0(एम0के0एस0), दिनांक 20 अगस्त, 2022, जिसके द्वारा माह सितम्बर, 2022 को 'राष्ट्रीय पोषण माह' के रूप में मनाये जाने के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं, का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2. पोषण अभियान एक बहु-मंत्रालयी कन्वर्जेन्स मिशन है, जो मा0 प्रधानमंत्री जी के विजन "सुपोषण भारत" (कुपोषण मुक्त भारत) पर आधारित है। पोषण अभियान के प्रभावशाली क्रियान्वयन हेतु जन आन्दोलन और सामुदायिक भागीदारी आवश्यक घटक हैं। उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु वर्ष 2018 से प्रत्येक वर्ष सितम्बर माह में सभी हितधारकों के अभिसरण के माध्यम से 'राष्ट्रीय पोषण माह' मनाया जाता है। इसी क्रम में पंचम राष्ट्रीय पोषण माह सितम्बर, 2022 में मनाये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसमें कन्वर्जेन्स विभागों के समन्वय से ग्रामीण स्तर पर ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में गठित ग्राम पंचायत की विभिन्न समितियों के माध्यम से पोषण पंचायत आयोजित करते हुए पोषण अभियान को जन आन्दोलन से जन भागीदारी की ओर उन्मुख किया जाना है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पोषण 2.0 के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं, जिसमें पोषण पंचायत, पोषण जन आंदोलन तथा कन्वर्जेन्स के माध्यम से आंगनवाड़ी केन्द्र को 'सक्षम' आंगनवाड़ी केन्द्र बनाने की प्रकिया पर विशेष महत्व दिया गया है।

3- भारत सरकार से प्राप्त पोषण 2.0 के दिशा-निर्देश के क्रम में इस वर्ष के 'पोषण माह' का मुख्य फोकस अंतर्विभागीय कन्वर्जेन्स स्थापित करते हुये पंचायत स्तर पर पोषण गतिविधियाँ संपादित की जानी हैं। सितम्बर, 2022 में आयोजित किये जाने वाले पोषण माह का मुख्य थीम निम्नवत् हैः-

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

- महिला और स्वास्थ्य।
- बच्चा एवं शिक्षा-पोषण भी, पढ़ाई भी।
- लैंगिक संवेदनशीलता आधारित पेयजल संरक्षण एवं प्रबन्धन।
- जनजातीय क्षेत्रों में महिलाओं एवं बच्चों हेतु परम्परागत खाद्य समूह का प्रोत्साहन।

उक्त सभी थीम पर कार्य करने हेतु आई0सी0डी0एस0 के साथ-साथ अन्य विभाग यथा-स्वास्थ्य, पंचायती राज, शिक्षा, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, ग्राम्य विकास विभाग की अहम भूमिका है। इन दिशा-निर्देशों के साथ भी विभागीय गतिविधियों हेतु संलग्नक प्रेषित किया जा रहा है।

पोषण माह के दौरान संपादित की जाने वाली गतिविधियों का स्वरूप निम्नवत् होगाः-

1. **पोषण पंचायत का गठन व क्रियाशीलता तथा पोषण पंचायत के माध्यम से पोषण गतिविधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना-** पोषण पंचायत का मुख्य उद्देश्य गांव की महिलाओं को सशक्त करते हुये उनको स्वयं व अपने समुदाय के बच्चों एवं किशोरियों व अन्य महिलाओं को पोषित व स्वस्थ्य रखना है। पोषण पंचायत को क्रियाशील बनाने हेतु पोषण 2.0 के दिशा-निर्देशों तथा राज्य की स्थिति के दृष्टिगत निम्न कार्यवाही की जानी है-

- **पोषण पंचायत का गठन**- इसकी अध्यक्षा ग्राम समुदाय की अथवा स्थानीय महिला होगी। ग्राम प्रधान यदि महिला हो, तो उनके माध्यम से अथवा ग्राम सभा की किसी एक महिला सदस्य की अध्यक्षता में पोषण पंचायत का गठन किया जाएगा। पोषण पंचायत के सदस्य के रूप में 10-15 महिलाओं को नामित किया जायेगा। ये महिलायें आई0सी0डी0एस0 विभाग की लाभार्थी महिलायें अथवा आंगनबाड़ी केन्द्र के लाभार्थियों की अभिभावक हो सकती हैं। यहां यह भी आवश्यक है कि यह महिलायें समुदाय के वंचित समूह से हों, जिससे कि उनके प्रतिनिधित्व से समस्याओं का निराकरण हो सके।
- पोषण पंचायत, ग्राम सभा के अधीनस्थ समिति के रूप में कार्य करेगी।
- पोषण पंचायत के सदस्य प्रत्येक माह बैठक का आयोजन करेंगे। इस बैठक में आंगनवाड़ी कार्यकत्री की प्रतिभागिता अनिवार्य होगी। आशा कार्यकत्री को भी बैठक के लिये आमंत्रित किया जायेगा।
- पोषण पंचायत की बैठक में निम्न बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगीः-
    - पोषण पंचायत के सदस्यों द्वारा कम वजन के शिशु, सैम, मैम व गंभीर अल्प वजन के बच्चों के पोषण श्रेणी के स्तर में बदलाव की जानकारी ली जायेगी।
    - पोषण पंचायत के सदस्य अनुपूरक पुष्टाहार की गुणवत्ता तथा उसकी नियमित वितरण की निगरानी करेंगे।
    - गर्भावस्था के समय कितनी गर्भवती महिलाओं की सतत् वजन जांच हुई है, कितनी महिलायें कुपोषित हैं (प्रथम त्रैमास में बी0एम0आई0 18.5 से कम) अथवा एनीमिया से ग्रसित हैं तथा कितनी महिलाओं को स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ पोषण परामर्श प्राप्त हुआ है, इसकी जानकारी ली जायेगी।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

- नवजात शिशुओं के साप्ताहिक वजन व उनके घर आंगनवाड़ी कार्यकत्री/आशा द्वारा किये गये गृह भ्रमण की स्थिति का आंकलन किया जायेगा।
- जन्म के समय कम वजन व 5 वर्ष से कम आयु के कुपोषित बच्चों की संख्या, उसके कारणों, पोषण व्यवहारों में कमी, सेवाओं की पहुंच तथा उपलब्धता पर भी चर्चा की जायेगी।
- मासिक आयोजित होने वाली समुदाय आधारित गतिविधियों में भी सदस्य प्रतिभाग कर सकते हैं।

2. **पोषण माह की मुख्य गतिविधियां-**

- **पोषण अभियान का शुभारम्भ-** जनपदों द्वारा जिला पोषण समिति की बैठक में कार्य-योजना तैयार की जायेगी तथा पोषण माह का शुभारम्भ नियत तिथि पर जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित करते हुए किया जायेगा।
- **'संभव अभियान' (स्वास्थ्य, पंचायती राज, खाद्य एवं रसद व ग्राम्य विकास विभाग के सहयोग से) -** जुलाई से सितंबर के मध्य 'संभव अभियान' का क्रियान्वयन पूरे प्रदेश में किया गया है। माह सितम्बर, 2022 में 'संभव अभियान' का पहला चरण समाप्त होगा। सभी जनपदों से अपेक्षा है कि जून-जुलाई, 2022 तथा सितम्बर माह में चिन्हित किये गये सैम व गंभीर अल्पवजन बच्चों को अन्य विभागों से समन्वय कराते हुए आवश्यक सेवायें जैसे-स्वास्थ्य जांच व संदर्भन, समुदाय आधारित देखभाल, राशन कार्ड, व मनरेगा जॉब कार्ड की उपलब्धता सुनिश्चित की जाय। साथ ही साप्ताहिक गृह भ्रमण, सामुदायिक बैठकें भी आयोजित की गयी होंगी। जुलाई-अगस्त में साप्ताहिक थीम के अनुसार संभव अभियान में संदेश तथा Gif सभी जनपदों तथा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों तक प्रेषित किये गये थे। यह सभी संदेश जनपदों द्वारा पोषण माह के दौरान पुनः प्रयोग में लाये जा सकते हैं, क्योंकि यह सभी संदेश कुपोषण के कारकों के साथ जुड़े हुये हैं और पोषण माह की प्राथमिकताओं में से हैं।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यकम का भी सहयोग सैम बच्चों की जांच हेतु लिया जा सकता है। पूर्व के दिशा-निर्देशों के क्रम में **25 सितम्बर-30 सितम्बर के मध्य वजन सप्ताह का पुनः आयोजन** करते हुये सभी0-5 वर्ष के बच्चों की वजन और ऊँचाई/लम्बाई ली जायेगी।

वजन सप्ताह की समस्त सूचना पोषण ट्रैकर तथा मासिक एम0पी0आर0 में भी अंकित की जायेगी। वजन सप्ताह की सूचना स्वस्थ बालक प्रतियोगिता हेतु भी आवश्यक होगी।

- **स्वस्थ बालक-बालिका प्रतियोगिता (स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से)-** पोषण माह की यह एक प्रमुख गतिविधि है। इस गतिविधि का उद्देश्य सुपोषित उत्तर प्रदेश की परिकल्पना को साकार करना है। इस गतिविधि के आयोजन व इसकी सफलता में ग्राम प्रधान व पोषण पंचायत की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य 5 वर्ष तक के बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाना, पोषण की महत्ता पर जागरूकता

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

बढ़ाना तथा एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाना है। शहरी मलिन बस्तियों में आंगनवाड़ी कार्यकत्री के माध्यम से वृद्धि निगरानी का कार्य आयोजित किया जायेगा।

वजन सप्ताह के आयोजन पश्चात् जो बच्चे स्वस्थ व सुपोषित हैं तथा जिनको पूर्व निर्धारित सेवायें मिली हैं, उनको पुरस्कृत किया जायेगा। बच्चों को पुरस्कृत करने के मानक निम्नवत् होंगे-

संख्या	मानक	अंक
1	मासिक वृद्धि निगरानी	5
2	व्यक्तिगत स्वच्छता- साफ हाथ, नाखून काटना	10
3	पोषण श्रेणी (ऊँचाई/लंबाई के सापेक्ष वजन)- जो लगातार सामान्य श्रेणी में हो अथवा सैम से मैम या फिर मैम से सामान्य श्रेणी में आये हों।	10
4	आहार की स्थिति • 0-6 माह तक केवल स्तनपान • 6 माह से 3 वर्ष-प्राप्त होने वाले अनुपूरक पुष्टाहार का नियमित सेवन • 3-5 वर्ष के बच्चे- प्राप्त होने वाले अनुपूरक पुष्टाहार का नियमित सेवन तथा आंगनबाड़ी केन्द्र पर उपस्थिति	10 अंक (आयु अनुसार)
5	आयु आधारित टीकाकरण	10
6	डीवर्मिंग	5
	कुल	**50**

जिस बच्चे को पुरस्कृत किया जाना है उसका चयन करने के लिये निम्न सदस्यों को ग्राम स्तर पर नामित किया जा सकता है -

- ग्राम सभा के प्रतिनिधि
- पोषण पंचायत के सदस्य
- आंगनवाड़ी कार्यकत्री/सहायिका
- ए0एन0एम0/आशा
- स्थानीय शिक्षक

ग्राम पंचायत स्तर पर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम दिनांक 02 अक्टूबर, 2022 को आयोजित किया जायेगा।

- **स्कूल केन्द्रित गतिविधियां (शिक्षा विभाग के सहयोग से)-** स्कूलों में पोषण मेले का आयोजन, निबंध प्रतियोगिता, खिलौनों के माध्यम से शिक्षा दी जायेगी। रेसिपी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जायेगा, जिससे उन्हें स्थानीय पौष्टिक खाद्य पदार्थों की जानकारी हो सके। उदाहरण के तौर पर बच्चों के माध्यम से तिरंगे को बढ़ावा देना/इंद्रधनुष थाली बनवाना।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

- **आंगनवाड़ी केन्द्र तथा सामुदायिक भूमि पर पोषण वाटिका को बढ़ावा देना (ग्राम्य विकास विभाग, उद्यान विभाग व पंचायती राज विभाग के समन्वय व सहयोग से)-** पोषण वाटिका, फल और सब्जियां सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्वपूर्ण स्रोत हैं और उनका नियमित सेवन अच्छे स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए आवश्यक है। ग्राम्य विकास, उद्यान व पंचायती राज विभाग के समन्वय व सहयोग से पोषण वाटिका की स्थापना आंगनवाड़ी केन्द्र/आंगनवाड़ी केन्द्र के समीप खाली स्थान पर की जाये। पोषण वाटिका को कुपोषित बच्चों के घरों में भी स्थापित कराया जाय, जिससे इन परिवारों को भी लाभ मिलेगा।
- **गृह भ्रमण व केन्द्र आधारित गतिविधियां (स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से)**- पोषण माह के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकत्री द्वारा गृह भ्रमण किया जायेगा। इसके साथ-साथ केन्द्र आधारित गतिविधियां भी आयोजित की जायेंगी। गृह भ्रमण व केन्द्र आधारित गतिविधियों का मुख्य फोकस आखिरी त्रैमास की गर्भवती महिलायें, नवजात शिशु, 0-6 माह के कम वजन के शिशु तथा सभी सैम व गंभीर अल्पवजन बच्चों को सेवाओं से आच्छादित करना होगा।
- **ग्राम स्तर पर आयोजित की जाने वाली अन्य गतिविधियां (स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से) -** पोषण रैली, जल संरक्षण गतिविधियां, रेसिपी प्रतियोगिता आदि गतिविधियां आयोजित की जायेंगी।
- सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से भी जन जागरूकता की गतिविधियां आयोजित की जायेंगी।

3. **सोशल मीडिया पर प्रचार-प्रसार (सूचना विभाग)**- सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर पोषण माह की गतिविधियों के प्रचार-प्रसार एवं व्यापक संवेदीकरण हेतु जिलाधिकारी के ट्विटर हैंडल, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि पर प्रतिदिन पोस्ट किया जाना है।

4. **जन आन्दोलन के माध्यम से जन संवेदीकरण**- जन प्रतिनिधि, सरकारी विभाग के अधिकारी, डेवलपमेंट पार्टनर्स और गैर सरकारी संगठनों के सदस्यों के साथ सामुदायिक रेडियो, स्थानीय चैनलों आदि पर चर्चा और टॉक शो आयोजित किये जायें। स्थानीय समाचार पत्रों में पोषण पर स्थानीय स्तर से लेख आमंत्रित किए जा सकते हैं। सभी संघों (कर्मचारियों, शिक्षकों, डॉक्टरों, किसानों, व्यापारियों आदि) एवं महासंघों का पोषण अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए सक्रिय समर्थन प्राप्त किया जाये।

5. COVID-19 प्रोटोकॉल- सभी गतिविधियो हेतु COVID-19 संबंधित निर्धारित प्रोटोकॉल का अनिवार्य रूप से पालन किया जाये। पोषण माह मानते हुए, गर्भवती महिलाओं और 10 साल से कम उम्र के बच्चों को आवश्यक और पोषण स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रमों को छोड़कर घर पर रहने की सलाह दी जानी चाहिए।

6. राष्ट्रीय पोषण माह के आयोजन में स्थानीय स्तर पर कार्ययोजना तैयार कर निदेशालय, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को प्रेषित की जाय। साथ ही पोषण माह के दौरान किए जा रहे कार्यक्रमों, गतिविधियों के फोटोग्राफ्स तथा वीडियो एवं

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

अन्य गतिविधियों को संक्षिप्त विवरण सहित नियमित रूप से जन आन्दोलन डैशबोर्ड http://poshanabhiyaan.gov.in पर अपलोड करें।

अतः इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया अपने कुशल नेतृत्व में समस्त कन्वर्जेन्स विभागों के सहयोग से पोषण माह का सफल आयोजन कराने का कष्ट करें।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीया,

(अनामिका सिंह)
सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. अपर मुख्य सचिव, कृषि विभाग उत्तर प्रदेश शासन।
2. अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
3. अपर मुख्य सचिव, ग्राम्य विकास विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
4. अपर मुख्य सचिव, माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
5. प्रमुख सचिव, बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
6. अपर मुख्य सचिव,पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
7. प्रमुख सचिव, खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
8. प्रमुख सचिव, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
9. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश।
10. महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उत्तर प्रदेश।
11. निदेशक, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार, उत्तर प्रदेश।
12. निदेशक, राज्य पोषण मिशन, उत्तर प्रदेश।
13. निदेशक, पंचायती राज, उत्तर प्रदेश।
14. निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश।
15. निदेशक, ग्राम्य विकास विभाग, उत्तर प्रदेश।
16. निदेशक, पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश।
17. निदेशक, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश।
18. समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तर प्रदेश।
19. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी, उत्तर प्रदेश।
20. समस्त जिला कार्यक्रम अधिकारी, उत्तर प्रदेश।
21. समस्त पंचायती राज अधिकारी, उत्तर प्रदेश।
22. न्यूट्रीशन स्पेशलिस्ट, यूनिसेफ, उत्तर प्रदेश।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

23. डेवलपमेन्ट पार्टनर टी0एस0यू0, टाटा ट्रस्ट, पीरामल व न्यूट्रीशन इन्टरनेशनल को राज्य व जनपद स्तरीय सहयोग प्रदान करने हेतु आवश्यक सहयोग करेंगे।

24. कार्यालय प्रति।

<u>संलग्नकः-यथोपरि।</u>

आज्ञा से,

(अनामिका सिंह)

सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

सशक्त, सबल नारी साक्षर बच्चा, स्वस्थ भारत !

पोषण माह के लिए पोषण पंचायतों को सक्रिय करना

पंचायत स्तर की गतिविधियां

ग्राम पंचायत– सरपंच					
पंचायत स्तर की कार्यकारी समितियां	ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति	स्कूल प्रबंधन समिति / शिक्षा समिति	जल आपूर्ति, जल और पर्यावरण संरक्षण समिति	योजना और विकास समिति	सामाजिक न्याय स्थायी समिति
कार्यक्षेत्र	स्वास्थ्य एवं पोषण	शिक्षा और खेल	जल संरक्षण और कृषि	योजना और विकास	समावेशिता
ग्राम पंचायत के स्तर पर स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा गतिविधियाँ					
	पी.एच.सी./ सी.एच.सी / जिला अस्पताल/ जिला कार्यक्रम अधिकारी/बाल विकास परियोजना अधिकारी/ जिला आयुष अधिकारी, आयुष वैद्य, एच.डब्ल्यू.सी./ सेक्टर सुपर्वाइज़र/ ANM/ आशा/आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आदि। • आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की मदद से SAM एवं MAM बच्चों की पहचान के लिए स्क्रीनिंग कैंप वी0एच0एन0एन0डी0, स्वास्थ्य ईकाई गर्भवती महिलाओं की मासिक वजन जांच व पोषण परामर्ष पर आयोजित करें, • गर्भवती महिलाओं की मासिक वजन जांच व पोषण परामर्ष • जन्म के समय कम वजन के बच्चे, सैम बच्चें के घर आंगनबाड़ी व आषा के माध्यम से साप्ताहिक गृह भ्रमण ,	जिला शिक्षा अधिकारी, स्कूल के प्रधानाचार्य / शिक्षक, छात्र और माता–पिता, शाला प्रबंधन समिति, NSS के स्वयंसेवक आदि • स्कूलों में पोषण मेलों के आयोजन के माध्यम से बच्चों को पोषण के प्रति जागरूक करना। • **खेलो और पढो** – खिलौनों के माध्यम से शिक्षा • घर पर खिलौना आधारित और खेल– आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समुदाय केंद्रित कार्यक्रम आयोजित करें एवं बच्चे का देखभाल करने वालों और	जिला जल शक्ति केंद्र, तकनीकी अधिकारी जल शक्ति, जल अनुसंधान संस्थान,कृषि विज्ञान केंद्र , किसान समितियां आदि • जल शक्ति केंद्र / नोडल अफ़सर के माध्यम से आंगनवाड़ी भवनों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं स्थापित करने के लिए जिला अधिकारियों/ राज्य सरकारों की सहायता करना। • सामुदायिक जल निकायों – झील/तालाब/कुआँ/ पानी की टंकी में सफाई/ सिल्टिंग अभियान आयोजित करना	जिला पंचायती राज अधिकारी, ग्राम सभा , माताओं के समूह, ग्राम पंचायत, डूडा SHGs/फेडरेशन, ग्राम सेवक • पोषण माह का उपयोग "महिला और स्वास्थ्य" थीम को केन्द्रित पोषण एजेंडा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रव्यापी ग्राम पंचायतों तक व्यापक पहुंच के लिए किया जाएगा। • आईसीडीएस सेवाओं के अंतर्गत कार्यात्मक आधारभूत संरचना इच्छित लाभार्थियों द्वारा सेवा प्राप्त करने हेतु अभिप्रेरित है। सभी गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं, 6 वर्ष से कम	जिला आदिम जाति कल्याण/ समाज कल्याण अधिकारी • आदिवासी जिलों के आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों, किशोरियों और महिलाओं के लिए एनीमिया शिविर आयोजित करना। • एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (EMRS) में एनीमिया शिविरों का आयोजन (लगभग 680 स्कूल)। • स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी से

	स्तनपान व उपरी आहार पर जानकारी • जिला मजिस्ट्रेट SAM बच्चों के उपचार एवं फॉलो–अप के लिए पोषण पुनर्वास केंद्रों (एनआरसी) के उपयोग को सुनिश्चित करेंगे • इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (IAP) , अन्य संस्था जैसे रोटरी/लायंस क्लब/ SHGs/ IMA/ रेड क्रॉस आदि के माध्यम से कुपोषित बच्चों हेतु स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन करें • सही पद्धति से स्तनपान हेतु आंगनवाड़ी केन्द्रों उपकेन्द्रों पर परामर्श आयोजित करना। • आंगनवाड़ी केंद्रों में मासिक धर्म स्वच्छता पर किशोरियों और महिलाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाना। • एनीमिया स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन, गर्भवती एवं धात्री माताओं, किशोरी बालिकाओं तथा 6 माह से 6 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के IFA सीरप, IFA की गोलियां एवं कृमि–नाशक दवा का वितरण करना। • एनीमिया की रोकथाम, प्रसव पूर्व देखभाल, प्रसवोत्तर देखभाल पर ग्राम पंचायतों को संवेदनशील बनाना। • गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं के लिए आंगनबाड़ी केन्द्र, आहार केन्द्रित परामर्श शिविरों का आयोजन करना। • माताओं/परिवारों में दस्त से प्रभावित बच्चे की देखभाल और पोषण के बारे में जागरूकता के लिए जल जनित रोगों पर आंगनवाड़ी केंद्रों में संवेदीकरण सत्र आयोजित करना। • योग के माध्यम से स्वास्थ्य को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेंगे जिला आयुष	माता–पिता को घर पर स्वदेशी खिलौनों का उपयोग करने के लिए संवेदनशील बनाएं । • आंगनवाड़ी केंद्रों में भ्रमण के दौरान पौष्टिक एवं स्वस्थ व्यंजनों के लिए जूनियर chef (पूर्वस्कूली बच्चे), budding chef (किशोर) प्रतियोगिताओं का आयोजन करें। • खेलों के माध्यम से पोषण के बारे में सीख को बढ़ावा देना (विशेषकर 5–6 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों हेतु) • आंगनवाड़ी केंद्रों में जल प्रबंधन पर विज्ञान मेला /स्कूलों के माध्यम से जल प्रबंधन पर छात्रों के लिए जागरूकता अभियान चलाना। • कुपोषण/पोषण जागरूकता केंद्रित निबंध प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता/ ड्राइंग प्रतियोगिता आदि का आयोजन करें। • आंगनवाड़ी केंद्रों में पूर्व–प्राथमिक शिक्षा के लिए नामांकन अभियान चलाना और पूर्व–प्राथमिक शिक्षा के बारे में जागरूक करना। • मीना मंच के माध्यम से पोषण गतिविधियों का क्रियान्वयन करें। • अपने स्वयं के स्वास्थ्य, अपने समुदायों के स्वास्थ्य आदि के	• प्रबंधन और वर्षा जल संरक्षण की तकनीकों पर समुदाय में महिलाओं को संवेदनशील बनाने के लिए कार्यशालाएं आयोजित करना। • राज्य/शहरी स्थानीय निकाय/ पंचायतों तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए जल संरक्षण की आवश्यकता पर जागरूकता अभियान चलाना। • आंगनवाड़ी केंद्रों में मोटे अनाज़ एवं किचन गार्डन की स्थापना को बढ़ावा देना। • पोषण वाटिका के साथ –साथ जहां भी स्वीकार्य अथवा संभव पोल्ट्री और मत्स्य इकाइयों के जोड़ा जाए। • स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र के साथ समन्वय से आंगनवाड़ी केन्द्रों में पोषक–खेतों/पोषण संवेदनशील कृषि पर प्रशिक्षण अभियान आयोजित करना। • आंगनवाड़ी केंद्रों में मोटे अनाज़ रेसिपी प्रतियोगिता आयोजित करें। • पंचायत में मोटे अनाज़ के लाभों पर पंचायती राज निकायों, जिला पदाधिकारियों, आंगनवाड़ी	आयुवर्ग बच्चों और किशोर बालिकाओं को सेवा प्रदाय के लिए ग्राम/पोषण पंचायत समितियां, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा, एएनएम – के साथ मिलकर काम करेंगी जिससे आंगनवाड़ी केन्द्रों, ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस और अन्य प्रासंगिक प्लेटफार्मों के माध्यम से समस्या समाधान और सेवा वितरण को सक्षम बनाया जा सके। • आंगनवाड़ी केंद्र के निकट–खाद्यान आधारित कृषि एवं पोषण वाटिका के लिए स्थानों की उपलब्धता सुनिश्चित करना। • स्थानीय पंचायत, परियोजना अधिकारी, महिला पर्यवेक्षक एवं आंगनबाडी कार्यकर्ताओं के साथ आंगनबाडी केन्द्र भवन का निरीक्षण अभियान चलाये। • पंचायत, सीडीपीओ, पर्यवेक्षक और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पोषण में भागीदारी के लिए महिलाओं के नेतृत्व वाले एसएचजी के सदस्यों को नामांकित करना। • शहरी मलिन बस्तियों में आंगनवाड़ी सेवाओं, अच्छे स्वास्थ्य अभ्यासों पर जागरूकता अभियान आयोजित करना। • लाभार्थियों को आंगनवाड़ी	जनजातीय खाद्य मेलों का आयोजन। • आदिवासी जिलों में के आंगनवाड़ी केंद्रों में पारंपरिक भोजन पकाने की विधि प्रतियोगिता का आयोजन करना। • आंगनवाड़ी केंद्र के निकट बहु–खाद्यान्न आधारित कृषि एवं पोषण वाटिका के लिए स्थानों की उपलब्धता सुनिश्चित करना। • आंगनवाड़ी केंद्रों में अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में पोषण पर केंद्रित संवेदीकरण अभियान और आउटरीच गतिविधियों का आयोजन। • किशोरी बलिकाओं के लिए योजना के लाभार्थियों के रूप में पूर्वोत्तर राज्यों में 14–18 के बीच किशोरियों के लिए पहचान अभियान चलाना।

	प्रभारीः आंगनवाड़ी केंद्रों और घरों में 'घर पर योग, परिवार के साथ योग' का अभियान संचालित करेंगे। • गर्भवती महिलाओं एवं किशोरियों के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों में योग सत्र आयोजित करना। • औषधीय पौधे, तकनीकी सहायता आदि के साथ पोषण वाटिका को लोकप्रिय करने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के साथ अभिसरण कर अभियान आयोजित करना। • आंगनवाड़ी केंद्र /पोषण पंचायत अंतर्गत स्वस्थ आहार प्रथाओं (क्षेत्रीय और मौसमी) पर समुदाय में जागरूकता अभियान चलाना। • आंगनवाड़ी केंद्रों/पोषण पंचायत में बच्चों में मोटापा जैसी जीवन शैली की बीमारी की रोकथाम के लिए जीवनशैली में बदलाव पर जागरूकता अभियान चलाना। • आंगनवाड़ी केंद्रों/पोषण पंचायत में ठिगनापन,दुबलापन, एनीमिया, जन्म के समय कम वजन और रोग–प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए विभिन्न आयुष अनुशंसा/प्रेक्टिस/उत्पाद आधारित शिविरों का आयोजन/अभ्यास/उत्पाद का सफलतापूर्वक उपयोग किया जाए। • आंगनवाड़ी केंद्रों / पोषण पंचायतों में गर्भवाती महिला, धात्री माताओं और किशोरियों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना	बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए किशोरियों को स्वास्थ्य दूत या परिवर्तन एजेंट के रूप में सम्मिलित कर उनके लिए संवेदीकरण अभियान चलाना।	कार्यकर्ताओं और महिला सुपरवाइजर और समुदाय को बड़े पैमाने पर संवेदनशील बनाना।	सेवाओं के दायरे में लाने के अभियान के साथ शहरी मलिन बस्तियों में वृद्धि माप अभियान चलाना। • विशेष रूप से शहरी मलिन बस्तियों में आंगनवाड़ी केन्द्रों और किशोरियों में रक्ताल्पता जांच के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना।	

प्रमुख अभिसरण मंत्रालय/विभाग– उपरोक्त गतिविधियों का समर्थन करने वाले मंत्रालय/ विभाग					
	स्वास्थ्य, आई0सी0डी0एस0 तथा आयुष मंत्रालय आदि।	स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, आई0सी0डी0एस0, युवा मामले और खेल मंत्रालय आदि।	जल शक्ति मंत्रालय , कृषि मंत्रालय और किसान कल्याण, आई0सी0डी0एस0,उपभोक्ता मामले मंत्रालय, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, मत्स्य पालन मंत्रालय, पशुपालन और डेयरी आदि।	पंचायती राज मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, आई0सी0डी0एस0आदि।	जनजातीय मामलों का मंत्रालय, मंत्रालय सामाजिक न्याय और अधिकारिता, मंत्रालय अल्पसंख्यक मामले,श्रम मंत्रालय और रोजगार आदि।

राज्य स्तरीय गतिविधियां

कार्यक्षेत्र	स्वास्थ्य	शिक्षा और खेल	जल संरक्षण और कृषि	योजना और विकास	समावेशिता
	• आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं , सहायकों, एएनएम, आशा, वीएचएसएनसी, ग्राम पंचायत, पोषण पंचायत द्वारा रैली / प्रभातफेरी के साथ पोषण माह का शुभारंभ। शहरी क्षेत्रों में वाहनों और लाउडस्पीकरों का प्रयोग किया जा सकता है। • बडी मदर्स (Buddy mothers)अवधारणा का प्रचार : एक सुपोषित बच्चे की मां के साथ एक कुपोषित बच्चे की मां की भागीदारी की जाती है जो की उसका समर्थन करती है। • राज्य के स्वास्थ्य विभागों के साथ साझेदारी में आकर्षक इन्फोग्राफिक्स/वीडियो आदि के माध्यम से पूरक आहार के बारे में जागरूकता बढ़ाना देना • **स्वस्थ बालक स्पर्धा** का आयोजन एक दिवसीय उत्सव के रूप में उत्सव त्योहर /त्योहार के रूप में किया जाएगा, जिसमें बच्चों को रैंक दी जाएगी और प्रमाण पत्र/पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। स्पार्धा के उद्देश्य "स्वस्थ " बालक – स्वस्थ बच्चा"पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 6 माह –3 वर्ष और 3–5 वर्ष आयु वर्ग में स्वस्थ बच्चों की पहचान करना • 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के वृद्धि माप के लिए जागरूकता पैदा करना और अभियान चलाना। • अच्छे स्वास्थ्य और पोषण के लिए प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करना। • स्तनपान और पूरक आहार प्रथाओं को बढ़ावा देने के	• **बच्चा और शिक्षा** की भावना को दर्शाते हुए पोशन माह के दौरान स्कूलों में छात्रों द्वारा ली जाने वाली पोषण प्रतिज्ञा का प्रारूप तैयार करें। उए • प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में बैनर, स्लोगन, पोस्टर और मीडिया, बैनर के माध्यम से प्रारंभिक वर्षों पर तथ्य / जागरूकता समुदाय को "पोषण भी, पढाई भी" पर जागरूक करने और आंगनवाड़ी समुदाय में एक शिक्षण केंद्र के रूप में जागरूकता पैदा करने के लिए। • जागरूकता पैदा करने के एक तरीके के रूप में इन गतिविधियों में भाग लेने के लिए बच्चों – माता–पिता के साथ खेल–आधारित सीखने की गतिविधियों पर आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रदर्शन। • टॉयथॉन – आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ खिलौना बनाने की कार्यशाला, स्वदेशी खिलौने बनाने और सोशल मीडिया पर प्रदर्शित करने के लिए। बच्चों की खेल–आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक	• स्थायी जल प्रबंधन और घरेलू स्तर पर जल संरक्षण मॉडल में महिलाओं की भूमिका को उजागर करने के लिए व्यापक समुदाय–आधारित अभियान आयोजित करने के लिए जल संरक्षण के क्षेत्र में काम कर रहे विशिष्ट गैर सरकारी संगठन/एजेंसिया। • वर्षा जल संचयन संरचनाओं के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों की पहचान करना।	• अम्मा की रसोई/दादी की रसोई का आयोजन। • पारंपरिक पौष्टिक खाद्य पदार्थों पर कैटलॉग विकसित करें और इसे आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ साझा करें। • तिरंगे को बढ़ावा देना /इंद्रधनुष थाली । • बजट मेनू प्रतियोगिता। • महीने के दौरान पारंपरिक खाद्य पदार्थों को स्थानीय त्योहारों से जोड़ना (गणपति बप्पा के साथ न्यूट्री थाली)। • लायंस क्लब, रोटरी जैसी एजेंसियों की मदद से विकास मापन अभियान चलाना।	• विशेष रूप से पिछडें/आदिवासी क्षेत्रों में माँ और बच्चे के लिए स्वस्थ पारंपरिक व्यंजनों की पहचान, प्रचार, प्रदर्शन के लिए जिला /ब्लॉक स्तर पर पकाने की विधि प्रतियोगिता / माँ की रसोई प्रतियोगिता। • उपरोक्त गतिविधियों के आधार पर, मुख्य रूप से आदिवासी समुदाय से प्रति राज्य 5 सर्वश्रेष्ठ व्यंजनों का दस्तावेजीकरण (डब्ल्यूसीडी द्वारा प्रदान किए गए रिपोर्टिंग प्रारूप के अनुसार) • पोशन ट्रैकर के माइग्रेशन मॉड्यूल के माध्यम से आंगनवाड़ी सेवाओं के सार्वभौमिकरण के बारे में प्रवासी श्रमिकों के बीच जागरूकता अभियान चलाना

	लिए। • आहार विविधता और आयु उपयुक्त आहार के महत्व के संबंध में परामर्श को बढ़ावा देना। • सहकर्मी शिक्षक (माँ से माँ/परिवार/समुदाय) की अवधारणा को बढ़ावा देना। स्पर्धा की शुरुआत **महाराष्ट्र, असम, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश** राज्य से की जाएगी। स्वस्थ बालक स्पर्धा की अवधारणा नोट संलग्न है।	आंगनवाड़ी केंद्र में देशी खिलौनों को भी उपयुक्त गतिविधि कोनों में रखा जाना चाहिए • राज्य स्तरीय देशी खिलौना मेला			
प्रमुख अभिसरण मंत्रालय/विभाग– उपरोक्त गतिविधियों का समर्थन करने वाले मंत्रालय/ विभाग					
	स्वास्थ्य, आई0सी0डी0एस0 तथा आयुष मंत्रालय आदि।	स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, आई0सी0डी0एस0, युवा मामले और खेल मंत्रालय आदि।	जल शक्ति मंत्रालय , कृषि मंत्रालय और किसान कल्याण, आई0सी0डी0एस0,उपभोक्ता मामले मंत्रालय, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, मत्स्य पालन मंत्रालय, पशुपालन और डेयरी आदि।	पंचायती राज मंत्रालय , ग्रामीण विकास मंत्रालय , आई0सी0डी0एस0आदि।	जनजातीय मामलों का मंत्रालय, मंत्रालय सामाजिक न्याय और अधिकारिता, मंत्रालय अल्पसंख्यक मामले,श्रम मंत्रालय और रोजगार आदि।

इन्दीवर पान्डेय, आई.ए.एस.
सचिव

INDEVAR PANDEY, I.A.S.
Secretary

Tel. : 011-23383586, 23386731
Fax : 011-23381495
E-mail: secy.wcd@nic.in

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110 001

Government of India
Ministry of Women & Child Development

20th August, 2022

D.O. No. PA/175/2021-US (MKS)

Dear Chief Secretary,

As you are aware, POSHAN Abhiyan launched by the Hon'ble Prime Minister aims to achieve improvement in the status of nutrition of both children and women. Jan Andolan and community mobilization are essential components for effective implementation of Poshan Abhiyan. In order to strengthen the efforts made by the Government to address malnutrition and for involving masses through *Jan Andolans,* Poshan Maah and Pakhwada are celebrated every year by the Ministry of Women and Child Development (MWCD) with the involvement of all stakeholders including Partner Ministries / Departments. Since the launch of POSHAN Abhiyaan in March 2018, these events have helped in reaching out to communities through the nation's biggest nutrition-centric annual Jan Andolans and more than 40 crore sensitisation and awareness activities have been successfully conducted with joint participation of all.

2. To celebrate POSHAN Maah, theme-based activities are conducted across the country throughout the month of September. For this year's Poshan Maah scheduled in September 2022, the focus is to activate *Poshan Panchayats* - making the Sarpanch and the Gram Panchayat at the village level as the fulcrum of activities, thus converting *Jan Andolan* into *Jan Bhagidari.* It is envisaged that the Jan Bhagidari for Poshan will be activated through the Gram Panchayat and the various Standing Committees of the Gram Panchayats.

3. The activities during the month will be centred around the following key themes-

(i) *Mahila* and *Swasthya*
(ii) *Bacha* and *Shiksha- Poshan bhi Padhai Bhi*
(iii) Gender Sensitive Water Conservation and Management
(iv) Traditional Foods for Women and Children in Tribal Areas

The detailed calendar of suggested activities for the Poshan Maah is enclosed.

4. In this regard, a meeting was held on 05.08.2022 with Partner Ministries/ Departments to sensitise the Partner Ministries about the themes and the activities/events to be held during the Rashtriya Poshan Maah 2022.

5. In order to make the Rashtriya Poshan Maah a grand success with the support of all the stakeholders, I request that necessary preparatory activities may be initiated. Further, valuable inputs / suggestions on activities to be conducted during Poshan Maah 2022 may be shared with the Ministry in the following email id, reshma.nair@gov.in. I am grateful for your constant support in the endeavour to realise the goal of a 'Suposhit Bharat'

With regards

Yours sincerely
Sd/-
(Indevar Pandey)

Chief Secretaries of all States / UTs
Copy to:
Principal Secretaries / Secretaries of WCD/ Social Welfare Department of all States / UTs.

20/8/2022
(Indevar Pandey)

Contours of the proposed 'Swastha Balak Spardha"

Swastha Balak Spardha is proposed to be conducted with the following objectives:

- To bring focus on the "Swastha Balak- Healthy Child"
- To identify healthy children in age group of 6m-3 years and 3-5 years
- To generate awareness and conduct campaigns for growth measurement of children under 5 years
- To generate a spirit of competitiveness for good health and nutrition
- To promote Breastfeeding and Complementary feeding practices
- To promote counselling regarding importance of diet diversity and age appropriate feeding
- To promote concept of peer educator (mother-to-mother/ family/ community)

Target Group

Primary Beneficiary: Children (6m-3 years and 3-5 years)
Secondary: Care-givers (Parents, Other Family Members, Other local persons)

Evaluation Team

1. ICDS Staff (Block Official (CDPO), Supervisor)
2. AWW/AWH
3. Local PRI representative / Ward members
4. Health Staff (PHC-MO/ANM/ASHA)
5. Local School Teachers

Marks based Selection Criteria

Sl.No	Criteria	Marks
1	Monthly Growth Monitoring	5
2	Personal Hygiene of Child (Clean hands and nails, haircut, dress, hand wash, diarrhoea free status)	10
3	Nutrition status – constantly in the "normal" or migration from malnourished to "normal"	10
4a	Provision of HCM and Attendance for 3-5 year old children	10
4b	Provision and Consumption of THR for 6m-3 year old children	
5	Timely vaccination services	10
6	De-worming	5
Total		50

Recognition

1. Ranking of children – 1st, 2nd and 3rd
2. Distribution of Certificate to Winning Child and Parent (especially mothers, to encourage spirit of positive competition) and reward like indigenous toys, hygiene kit, water bottle, fruit basket etc.
3. Small gifts like nutrition kit/ hygiene kit to all participating children

Locally available indigenous toys may be used to felicitate the children. Some examples are as given in table below:

State	Indigenous Toy
Maharashtra	-Wooden toys made from mango tree traditionally done by the Chitari or Chitrakar community in Sawantwadi. -Bahatuktli is the miniature version of all household items put together
Uttar Pradesh	-Lacquered toys and miniature utensils for Wooden lacquer ware and wooden toys
Assam	-Craft figurines of deities, animals, birds using clay, sand, straw and 'kabish', prepared from red clay
Madhya Pradesh	-Adivasi Gudia Hastashilpa (Dolls) From Jhabua ▪ Betel Nut's Toys from Rewa ▪ Tin-Toys

Frequency: Quarterly

Levels: Block and AWC level

Organizations: Involvement of Organizations like Lions Club, Rotary Club, SHGs, NGOs for wider reach

First Phase: In the first phase, the Spardha will be held in the States of Uttar Pradesh, Madhya Pradesh, Maharashtra and Assam, in the month of August 2022.

Outline of the Program

The actual Spardha will be a **one -day event**, in the nature of a celebratory tyohar / festival, wherein the children will be ranked and certificates / prizes distributed.

Indicative preparatory Events leading up to the actual day of the Spardha:

I. Preparing line list of the children at AWCs
II. Activities for awareness and dissemination of information to the beneficiaries, parents / family members etc about the Spardha to ensure wide-spread participation
III. Involvement of PRI members to ensure their presence and to mobilize and sensitise general public about importance of the health of children
IV. Coordination with the Health department (Health check up of children)
V. Cleanliness of the AWCs and availability of drinking water, hand hygiene and sanitation facilities (water, towel, soap)

VI. Ensuring growth monitoring equipment, Growth charts and Community growth charts for counseling

VII. Training of AWWs/AWHs for proper growth measurement and maintaining proper record of the Criteria for marking, including status of hygiene of the child, vaccination and de-worming records, records of HCM / THR consumption etc.

VIII. Identifying the institutions /associations / organizations such as SHGs and Village Development Committee, Youth Clubs , Educational Institutions / Schools , ASHA, ANM, IMA, Paediatric Associations, Mahila Arogya Samitis , Sanitation Committees, organizations like Lions Club, Rotary Club etc that can facilitate awareness, mobilisation and sensitization of general public

IX. Outreach/Media Plan: Ensure full and active participation by all stakeholders

X. Devising a Plan for involvement of Local leaders / VIPs / Influencers/ sports personalities / Film Personalities to popularise the event and ensure participation of children and parents in huge numbers in the event.

****

Poshan Maah 2022: सशक्त / सबल नारी, साक्षर बच्चा, स्वस्थ भारत!

Triggering Poshan Panchayats for Poshan Maah

Panchayat Level Activities

Gram Panchayat- Sarpanch					
Standing Committees at the Panchayat level	**Village Health Sanitation and Nutrition Committee**	**School Management Committee / Education Committee**	**Water Supply, Water and Environmental Conservation Committee**	**Planning and Development Committee**	**Social Justice Standing Committee**
Domain	**Health**	**Education and Sports**	**Water Conservation& Agriculture**	**Planning & Development**	**Inclusivity**
Activities by Local Functionaries at the level of the Village Panchayat					
	Indian Academy of Pediatrics, Dist. Ayush Officers, Ayush Vaidyas, PHC/ HWC/ CHC/ DHC/ DPO/ CDPO/ LS, ASHA/ANM, AWW/AWH, etc. • Organize Screening Camps for identification of SAM and MAM Children with the help of Indian Academy of Pediatrics (IAP) ASHA and AWWs, Rotary/Lions Clubs/SHGs/IMA/Red Cross/Doctors Associations etc. for appropriate follow-up • DMs to ensure use for Nutrition Rehabilitation Centres (NRC) for follow up treatment	**Dist. Education Officers, School Principals/ Teachers, Students and Parents, SMCs, NSS Volunteers etc.** • Sensitize children in school on nutrition through organization of Nutrition Fairs in schools • **Khelo aur Padho** – Education through toys • Organize community centered events to promote toy-based and play-based learning at home – sensitize caregivers and parents to use indigenous toys at home with their children	**Dist. Jal Shakti Kendra, Technical Officer Jal Shakti, Water Research Institutes like Institute of Hydrology, Roorkee Village Jal Samiti, Krishi Vigyan Kendras, Farmers' committee etc** • Assist district officials/State Govts to set up Rain Water Harvesting Structures in AWC buildings through the District Jal Shakti Kendra / Nodal Officer • Organize cleaning/de-silting campaigns at community water bodies - Lake/pond/well/Water tank • Conduct Workshops for sensitizing women in the community on techniques of water conservation and	**Dist. Panchayati Raj Officers, Gram Sabhas, Mothers' Groups, Gram Panchayat, SHG/Federation, Gram Sewak** • Poshan Maah to be utilized for extensive outreach to nation-wide Gram Panchayats for promotion of Poshan agenda, with a focus on "**Mahila and Swasthya**" • Gram / Poshan Panchayat Committees to work closely with FLWs – AWWs, ASHAs, ANMs – to support problem solving and enabling service delivery through AWCs, VHNDs, and other relevant platforms to ensure all pregnant and lactating	**District Tribal Welfare/ Social Welfare officers** • Organize Anaemia Camps for Children, Adolescent Girls and Women in AWCs of 182 tribal districts • Organize Anaemia Camps in Eklavya Model Residential Schools (EMRS) (approximately 680 schools) • Organize Tribal Food Fairs with involvement of SHGs

	• IAP to facilitate screening camps at NRCs • Conduct awareness campaign among adolescent girls and women on menstrual hygiene in AWCs • Conduct consultation camps at / near AWCs on appropriate breast feeding practices • Sensitize Village Panchayats on Prevention of Anaemia, Ante-Natal Care, Post-Natal Care • Conduct preliminary screening for early diagnosis of juvenile diabetes at AWCs • Conduct Anaemia Health Check-up camps for PW&LM, Adolescent girls and children under 6 years of age; distribute IFA tablet and de-worming tablets • Organize diet consultation camps at Primary Health Centre/Community Health Centre /District Health Centre etc. for Pregnant Women & Lactating Mothers (PW&LM) • Conduct sensitization sessions in AWCs on water-borne diseases: Awareness amongst mothers/families on care and nutrition for diarrhoea-affected children	• Organize Junior chef (pre-school children), Budding chefs (adolescents) competitions for healthy recipes- visits to AWCs • Promote learning about nutrition through games (5-6 years old children) • Conduct awareness campaign for students on water management through schools – Science Fair on water management in AWCs • Organize Essay competition and Quiz competitions / Drawing competition etc. focusing on malnutrition/ nutrition awareness • Conduct enrolment drive for pre-primary education in AWCs and awareness about pre-primary education • Organize Health and Activity Clubs for Adolescent Girls • Conduct sensitization drives to engage Adolescent Girls as health ambassadors or Agents of Change for creating awareness about their own health, health of their communities etc.	management and rainwater harvesting • Conduct sensitization campaigns on need for water conservation for Panchayati Raj/Urban local bodies in AWCs • Promote millets and backyard kitchen gardens in AWCs • Retrofit the Poshan Vatikas with backyard poultry and fishery units wherever applicable/acceptable. • Conduct Training drives on nutri- farms/ nutrition sensitive agriculture in co-ordination with local Krishi Vigyan Kendra in AWCs • Organize millet recipe competitions in AWCs • Sensitize Panchayati Raj bodies, district functionaries, AWWs and LSs and community at large on benefits of millets in Poshan panchayat.	women, children below 6 years, and adolescent girls receive basic ICDS services, have functional infrastructure for AWCs and intended beneficiaries are receiving services. • Identify land for nutri-gardens / Poshan Vatikas at / near AWCs • Conduct inspection drives of AWC buildings with Local Panchayats, CDPOs, Lady Supervisors and AWWs • Nominating members from women led SHGs for participation in Poshan Panchayats • Organize awareness drives on Anganwadi Services, good health practices in Urban Slums • Conduct Growth Measurement drives in Urban slums with campaign to bring more beneficiaries under the ambit of Anganwadi Services • Organize Health camps for anaemia check-up in urban slums especially in AWCs and for adolescent girls	• Conduct Traditional Recipe Contests in Tribal districts in AWCs • Identify land for Nutri-Gardens, particularly at/ near EMRS schools • Organize sensitization drives and outreach activities focused on nutrition in minority dominated areas in AWCs • Conduct identification drives for Adolescent Girls between 14-18 in North-Eastern States as beneficiaries of Scheme for Adolescent Girls

	• District AYUSH-in-Charge to focus on promotion of wellness through Yoga: Campaigns of 'Yoga at Home, Yoga with Family' at AWCs and households • Conduct / Organize YOGA sessions for Pregnant women, Adolescent Girls in AWCs • Organize drives to populate Poshan Vatikas with medicinal plant and saplings, technical assistance, etc. as appropriate in convergence with MoPRI. • Conduct awareness campaigns in the community on healthy dietary practices (regional and seasonal) in AWCs / Poshan Panchayats • Conduct Awareness campaigns on lifestyle changes for prevention of lifestyle disease like Childhood Obesity in AWCs / Poshan Panchayats • Organise camps to recommend various AYUSH Practices/ products that have been successfully used for reducing stunting, wasting, anaemia, low birth weight and bolster immunity in AWCs / Poshan Panchayats				

	• Organise Health camps for PW&LM and Adolescent girls in AWCs / Poshan Panchayats				
Key Converging Ministries / Departments- Domain-wise supporting above activities					
	M/o Health and Family Welfare, M/o Ayush etc.	Dept of School Education and Literacy, Ministry of Youth Affairs & Sports etc.	M/o Jal Shakti, M/o Agriculture & Farmer's Welfare, M/o Consumer Affairs, Food & Public Distribution, M/o Fisheries, Animal Husbandry & Dairying etc.	M/o Panchayati Raj, M/o Rural Development, MoHUA etc.	M/o Tribal Affairs, M/o Social Justice & Empowerment, M/o Minority Affairs, DoNER, M/o Labour & Employment etc.

State- Level Activities

Domain	Health	Education and Sports	Water Conservation & Agriculture	Planning & Development	Inclusivity
	• Poshan Maah launch with a rally / prabhat pheris by AWWs, Helpers, ANM, ASHAs, VHSNC, Gram Panchayat, Poshan Panchayat. In urban areas, vehicles and loudspeakers may be used. • Promotion of Buddy Mothers concept which won the Poshan Abhiyaan DM award: Mother of a well-nourished child is partnered with and supports mother of a malnourished child. • Raise awareness about complementary feeding through attractive infographics / videos etc in partnership with state Health Departments • **Swastha Balak Spardha** to be organized as a one -day event, in the nature of a celebratory tyohar / festival, wherein the children will be ranked and certificates / prizes distributed. Objectives of the Spardha • To bring focus on the "Swastha Balak-Healthy Child" • To identify healthy children in age group	• Draft a POSHAN Pledge to be taken by students in schools during Poshan Maah reflecting the spirit of **Bachcha and Shiksha** • Facts/awareness on Formative years through banners, slogans, posters and media, banner in each AWW centre to sensitize the community on "Poshan Bhi, Padhai Bhi" and create awareness in the community of AWC as a learning centre • Demonstrations in AWCs on play-based learning activities conducted with children – parents to participate in these activities as a way of creating awareness • TOYathon – Toy making workshop with AWWs to make indigenous toys and display on Social Media. Indigenous toys also to be kept in appropriate activity corners in each AWC to promote play-based learning of children • State level Indigenous Toy Fair	• Specialised NGOs/agencies working in the area of Water Conservation to organise extensive community-based drives to highlight the role of women in sustainable water management and household level water conservation models • Identifying Anganwadi Centres for Rainwater Harvesting Structures	• Organising Amma ki Rasoi/ Grandmother's Kitchen • Develop catalogue on traditional nutritious foods and share it with AWWs • Promoting Tricolour /Rainbow Thali • Budget Menu competition • Linking of traditional foods with local festival during the Month (Nutri Thali with Ganapati Bappa) • Conduct Growth Measurement drives with the help of agencies like Lions Club, Rotary Club, Red Cross etc	• Recipe contest / Mother's Kitchen contest' at District/Block level for Identification, promotion, demonstration of healthy traditional recipes for Mother & Child especially in Tribal areas • Based on the above activities, documentation of 5 best recipes per state, predominantly from Tribal community (as per reporting format provided by WCD) • Conduct awareness drives among migrant workers about universalization of Anganwadi Services through Migration module of Poshan Tracker

	of 6m-3 years and 3-5 years • To generate awareness and conduct campaigns for growth measurement of children under 5 years • To generate a spirit of competitiveness for good health and nutrition • To promote Breastfeeding and Complementary feeding practices • To promote counselling regarding importance of diet diversity and age appropriate feeding • To promote concept of peer educator (mother-to-mother/ family/ community) States of **Maharashtra, Assam, Madhya Pradesh and Uttar Pradesh** to inititate the Spardha. The concept note of the Swastha Balak Spardha is attached				
Key Converging Ministries / Departments- Domain-wise supporting above activities					
	M/o Health and Family Welfare, M/o Ayush etc. .	Dept of School Education and Literacy, Ministry of Youth Affairs & Sports etc	M/o Jal Shakti, M/o Agriculture & Farmer's Welfare, M/o Consumer Affairs, Food & Public Distribution, M/o	M/o Panchayati Raj, M/o Rural Development, MoHUA etc.	M/o Tribal Affairs, M/o Social Justice & Empowerment, M/o Minority Affairs, DoNER,

			Fisheries, Animal Husbandry & Dairying etc.		M/o Labour& Employment etc.

Activities for Ministry of I&B
MoI&B may contribute to the following activities through PIB/DD/AIR/RNUs etc. • Provide Comprehensive Media Plan for the month • PIB to release curtain raiser on the various themes, key POSHAN initiatives, programmes etc. as per inputs provided by M/o WCD to ensure mass awareness • Disseminate all approved content in regional media in different languages harnessing print/electronic/digital media. • Conversations with CDPOs (Aspirational Districts) in Community / Regional/ National Radio • Streaming of films on Poshan and PMMVY in DD • Organizing Poshan Awareness through Song &Dance in the Schools in ten districts of PM program • Disseminate films Radio jingles/ audio spots etc. on Poshan, IYCF practices, early initiation of Breastfeeding, Exclusive Breastfeeding etc. anaemia prevention, importance of diet diversity • Publish recipes in leading national newspapers / prominent newspapers in English, Hindi and regional languages. • Facilitate outdoor publicity through banners and posters • Spot Coverage in news bulletins by DD News, AIR and Regional News Units • Social Media Campaign in IYCF to be launched

Suggested Activities for HMWCD / HMoS, WCD
• Address by HMWCD to AWWs/CDPOs/DPO with themes of Poshan Maah including *Mahila aur Swasthya* and *Bachcha aur Shiksha* • Address by HMWCD to all women Gram Pradhans • HMWCD to lead a fun learning activity with children and parents using indigenous toys • Minister aapke Anganwadi me (HMoS, WCD) – Leading a toy workshop to make indigenous toys • THR distribution at one AWC (by HMoS, WCD) • Celebration of model RWH structures in Anganwadi Centres